SURPRISE TEST

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2024 - 25

दि. 17/01/2025

अंक 10

सरप्राइज टेस्ट

प्रश्न 1) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए।

शिक्षुक कविता के माध्यम से भिखमंगे की दयनीय दासतां का चित्रण कीजिए। 10

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2024 - 25

दि. 17/01/2025

सरप्राइज टेस्ट

हिंदी विभाग की ओर से बी. ए. भाग एक के 17 जनवरी, 2025 को सरप्राइज टेस्ट का आयोजन किया गया। इस सरप्राइज टेस्ट की अंकतालिका

अनु.क्र.	रोल नंबर	छात्र का नाम	अंक
1.	4172	मेहक इम्रान मुलाणी	9
2.	4068	अंजली प्रभाकर जाधव	6
3.	4139	सिद्धी नानासो लोहार	9
4.	4055	स्वाती दिपक हिंगोले	6
5.	4118	स्वप्नाली बाबासाहेब खोपकर	8
6.	4083	भाग्यश्री भीमराव कांबळे	9
7.	4174	नाजिया राकेश नदाफ	9
8.	4010	प्रविण प्रभाकर बलनाईक	5
9.	4190	अलताभ अब्दुलगणी पटेल	6
10.	4078	पूनम अनिल काळे	9
11.	4251	अविनाश किशोर शिवगान	6
12.	4243	हर्षल शिंदे	6
13.		प्रविण अशोक होसमणी	7

Tupe

डॉ. दीपक रामा तुपे

04	Section	Q. No.												
		Marks												

प्र. क्र.
Q. No.

दि. 17/02/2025

उपस्थिति पत्र

रोल. नं.	नाम:	सही
4172	Mahek Imran Mullani	M.mullani
4068	Mahadevi Shivappa Jambagi	M.S Jambagi
4139	Siddhi Nanaso Lohar	S.N.Lohar
C1055	Swati Dipak Hingole	S.Hingole
4118	Swapnali Babasaheb Khopkar	SBK
4083	Bhagyashri Bhimrao Kamble	BKamble
4174	Najiya Rakesh Nadaf	Nadaf
4010	Pravin Prabhakar Balnaik	PBalnaik
4190	Aaftab AbdulGani Patel	Patel
4078	Poonam Anil Kale	Kale P.A.
4251	Avinash Kishor Shivagan	ShivaganAK
4243	Harshal L. Shinde	H.L.Shinde
4088	Anjali Prashant Jadhav	Jadhav A.P.
C	Pravin Ashok Hosmani	Hosmani P.A.

25995

नाम :- नाजिया राकेश नदाफ
कक्षा :- बी.ए. भाग - ०१

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)
कोल्हापूर

Signature of Jr. Super.

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर. (अधिकरप्रदत्त स्वायत्त)

परीक्षेच्या __________ या विषयाच्या प्रयोग परीक्षा

Practical Examination in, __________

at the __________ Examination

उमेदवराचा आसन क्रमांक (Candidate's Seat No.) 4174

विभाग (Section) हिंदी विभाग

9/10

उमेदवारांना सूचना

१. प्रश्न काळजीपूर्वक वाचा आणि त्याप्रमाणे विचारलेला प्रयोग करा.
२. उपकरणांच्या वापराबाबत तुम्हांला काही माहीत नसेल तर परीक्षक किंवा प्रयोगशाळा सहाय्यक यांना तुम्हाला मदत करण्याविषयी विनंती करा.
३. कोणताही विद्युतप्रयोग करण्यापूर्वी, प्रत्यक्ष पुरविलेली सर्व उपकरणे आणि सर्व 'कनेक्शन' नीट पाहून घेऊन संबंधित कामाची नीटनेटकी कार्ययोजना करण्याची नितांत आवश्यकता आहे आणि ह्यानंतर पुढे काम चालू करण्याविषयी परीक्षकांची परवानगी मिळविणे आवश्यक आहे.
४. सर्व निरीक्षणे कोटकवजा तक्त्यात भरावी. मधल्या सर्व गणना आणि निर्णय हे क्य तितक्या सुवाच्चपणे आणि स्पष्टपणे नोंदविलेले असणे हे हितावह आहे.
५. प्रारंभिक किंवा अंतिम निरीक्षणात संख्यावाचक आकडे एकावर एक लिहू नयेत. जर लिहिलेला कोणताही आकडा नको असेल तर त्यावर एक रेघ ओढून पाहिजे असलेला आकडा त्याच्याजवळ लिहा. प्रयोगशाळेतून बाहेर पडण्यापूर्वी आपले टेबल चांगल्या स्थितीत आहे याची खात्री करा.

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Read the question carefully and perform the experiment as required.
2. If there by anything the apparatus that you do not know, ask the examiner or the laboratory assistant to help you.
3. Before doing any electrical experiment, it is absolutely essential that you make a neat working sketch of all apparatus actually provided and of the necessary connection and obtain the examiner's permission to proceed.
4. Express all observations in a tabular form. It is also desirable that all intermediate calculations and results should be entered as neatly and clearly as possible.
5. No numerical figures should be written over either in the preliminary or final observations. If any figure is shought to be discarded it should be run through and the desired figure written near to it.
6. Please see that your table is in good order before you leave the laboratory.

(येथून लेखनास सुरवात करा.) (Begin writing here.)

प्र. क्र.
Q. No.

प्रश्न - भिक्षूक कविता के माध्यम से भिकमंगे की ~~दैनिक~~ दैनीय दास्ता का चित्रण किजिए ।

→ 'भिक्षुक' कविता के रचनाकार महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी हैं। भिक्षूक कविता निराला जी की प्रसिद्ध्य कविता मानी जाती है। निराला जी छायावादी युग और प्रगतीवादी युग के मशहूर रचनाकार एवं कवि माने जाते हैं। निराला जी का जन्म 29- फरवरी 1896 मे पश्चिम बंगाल ~~म~~ में हुआ। निराला जी ने अपनी कविता के माध्यम समाज मे व्याप्त दुख, दर्द, पिढा की अभिव्यक्ती

02	Section	Q. No.												
		Marks												

प्र. क्र.
Q. No.

की है।

हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध्ध कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' प्रस्तुत कविता 'भिक्षुक' में भिकारी की दीनता एवं दैनीयता का मार्मिक और हृदयस्पर्शी भाव से चित्रण किया हैं।
आज बड़े-बड़े शहरों मे या नगरों मे किसी रास्ते पर, रेल्वे स्थानक या बस स्थानक पर बहुत से लोग भिक माँगते हुए नजर आते हैं। जब यही भिकारी कीसी के सामने अपना पेट पालने के लिए हाँथ फैलाता हैं, तब लोग उस भिकारी की और हिनता की दृष्टी से देखते हैं। कवि ने वर्तमान स्थिती मे जो भिकारी की वास्तविक अवस्था है, उसे वर्णित किया हैं।
भिकारी के पास खाने को अनाज न होने के कारण उसका पेट और पिठ कैसे एकसमान हो जाते है और उसे लाठी का सहारा लेना ही पड़ता हैं यह स्पष्ट होता हैं।

समाज के लोग भी जीसे दो मुठ्ठी खाना खाने के लिए अपनी भूक मिटाने के लिए खाना चाहिए होता है तब समाज के लोग जिसे खाने की जरूरत हो उसे खाना ना देकर, दूसरा को पैसा हाथ मे थमा देते हैं। आज-कल के वर्तमान कलियुग में ऐसे धन-संपत्ती को बढ़ाने के लिए भिक माँगने वाले लोंगो की संख्या कुछ अधिक ही बढ़ गई हैं।

अधिकारप्रदत्त स्वायत्त ... महाविद्यालय

Section	Q. No.													03
	Marks													

प्र. क्र.
Q. No.

समाज मे ऐसे ही लोग भीक माँगने का जरियाँ छोटे बच्चों, अनाथों, अपाहीज और वृद्धों को ~~से~~ बनाते हैं।

कवि कहते हैं, जब वह भिकारी और उसके दो ~~श~~ बच्चे एक दृष्टी उन लोगों पर एवं एक दृष्टी उस भीक माँगते हुए हाथ पर देते है क्योंकी ना लोग उसकी सहयता करते है और नाही विधाता यानी जो ईश्वर है वह भी उनके भाग्य में कुछ नही ~~देते~~ हैं। ऐसे ही वह अपने आँसू के घुट पीकर देते रह जाते हैं।

9

विवेकानंद कॉलेज
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)
कोल्हापूर

25999

B·A - I

9/10

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)
कोल्हापूर

Signature of Jr. Super.

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर. (अधिकरप्रदत्त स्वायत्त)

______ परीक्षेच्या ______ या विषयाच्या प्रयोग परीक्षा

Practical Examination in, ______

at the Bhagyashri Bhimrao Kamble Examination

उमेदवराचा आसन क्रमांक (Candidate's Seat No.) 4083 विभाग (Section) हिंदी

उमेदवारांना सूचना

१. प्रश्न काळजीपूर्वक वाचा आणि त्याप्रमाणे विचारलेला प्रयोग करा.
२. उपकरणांच्या वापराबाबत तुम्हांला काही माहीत नसेल तर परीक्षक किंवा प्रयोगशाळा सहाय्यक यांना तुम्हाला मदत करण्याविषयी विनंती करा.
३. कोणताही विद्युतप्रयोग करण्यापूर्वी, प्रत्यक्ष पुरविलेली सर्व उपकरणे आणि सर्व 'कनेक्शन' नीट पाहून घेऊन संबंधित कामाची नीटनेटकी कार्ययोजना करण्याची नितांत आवश्यकता आहे आणि ह्यानंतर पुढे काम चालू करण्याविषयी परीक्षकांची परवानगी मिळविणे आवश्यक आहे.
४. सर्व निरीक्षणे कोटकवजा तक्त्यात भरावी. मधल्या सर्व गणना आणि निर्णय हे क्य तितक्या सुवाच्चपणे आणि स्पष्टपणे नोंदविलेले असणे हे हितावह आहे.
५. प्रारंभिक किंवा अंतिम निरीक्षणात संख्यावाचक आकडे एकावर एक लिहू नयेत. जर लिहिलेला कोणताही आकडा नको असेल तर त्यावर एक रेघ ओढून पाहिजे असलेला आकडा त्याच्याजवळ लिहा. प्रयोगशाळेतून बाहेर पडण्यापूर्वी आपले टेबल चांगल्या स्थितीत आहे याची खात्री करा.

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Read the question carefully and perform the experiment as required.
2. If there by anything the apparatus that you do not know, ask the examiner or the laboratory assistant to help you.
3. Before doing any electrical experiment, it is absolutely essential that you make a neat working sketch of all apparatus actually provided and of the necessary connection and obtain the examiner's permission to proceed.
4. Express all observations in a tabular form. It is also desirable that all intermediate calculations and results should be entered as neatly and clearly as possible.
5. No numerical figures should be written over either in the preliminary or final observations. If any figure is shought to be discarded it should be run through and the desired figure written near to it.
6. Please see that your table is in good order before you leave the laboratory.

(येथून लेखनास सुरवात करा.) (Begin writing here.)

प्र. क्र. / Q. No.

भिक्षुक कविता के माध्यम से भिक मंगोकी दैनिय दास्ता का चित्रण कीजिए।

भिक्षुक कविता निराला जी की प्रसिद्ध कविता मानी जाती है। निराला जी छायावादी युग और प्रगतिवाद युग के प्रमुख, मशहूर रचनाकार एव कवि माने जाते है।

निराला जी का जन्म २१ फेब्रुवारी १८९६ को पश्चिम बंगाल मे हुए है। उन्होंने अपने कविता के माध्यम से दुख : दर्द पिडा की अभिव्यक्ती की है।

02	Section	Q. No.												
		Marks												

प्र. क्र. Q. No.

निराला जीने अपनी कविता मे वास्तविक वर्तमान स्थिती का वास्तव चित्रण किया है। इनके बहुत से कविताएँ है। उन कविता संग्रह मे जुही की कली, अनामिका, गीतिका, परिमल मिलते है। भिक्षुक उनकी एक भिकारी की दैनिय अवस्था को चित्रित किया है।

इसमें भिकारी जब भिक मांगता है तब उसे किस तरह से फटकाया जाता है इस तरह से चित्रित किया है।

हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवी निराला जीने अपनी भिक्षुक कविता में भिकारी की दीनता एवं दैनियता का चित्रण मार्मिक और हृदयस्पर्शी भाव से किया है। निराला जी अपनी कविता में कहते है –

पेट पीठ दोनो मिलकर है एक
चल रहा लकुटिया टेक .....

आज बड़े-बड़े शहरो में एवं नगरो मे किसी रास्ते पर रेल्व तथा बस स्थानको पर तथा किसी जगहो पर मंदीर-मस्जिद के सामने भीक मांगते दिखाई देते है। यह भिकारी जब किसी व्यक्ति के सामने हाथ फैलाता है तब लोग उनको तरफ हिनता की दृष्टी से देखते है. लेकिन वर्तमान समय मे भिकारी की अवस्था इसी प्रकार दैनिय होती है. इसको दिखाति का प्रयास निराला जी ने अपनी कविता के माध्यम से किया है।

भिकारी के पास खाने के लिए कुछ ना होने के कारण पेट-और पिठ दोनो एक समान होते है, उसका शरिर और स्वास्थ क्षिर होता है इस कारण उसे रास्ते पर चलते समय लाठि का सहारा लेना पडता है।

Section	Q. No.													03
	Marks													

प्र. क्र. Q. No.

भिखारी जब मुट्ठीभर दाने के लिए और भूक मिटाने के लिए सबके सामने हाथ फैलाता है. असल मे समाज मे जीन लोगो को भिख मांगने की जरुरत होती है. उन लोगो को समाज के लोग भिख नही देते है। और जिसे पैसो की जरुरत नही होती है और लोग उसे ही भिख के स्वरुप मे पैसे देते है। वर्तमान समय में समाज में पैसे जुटाने और सपंत्ती को एकत्र करने वाले के लिए भिख मांगने वाले लोगो की संख्या जादा दिखाई देती है। समाज में बड़े- बड़े शहरों में कुछ लोगों द्वारा बच्चे अंध - अपाहिज लोग, वृद्ध व्यक्ती के द्वारा भिख मांगने का जरिया आता है. साथ ही ये लोग महिलाएं से भी भिख मंगवाते और अपनी संपत्ती बनाते है। वर्तमान समय मे कुछ न करते हुए भिख के जरिए संपत्ती जुटानेवाले लोगों की संख्या ज्यादा दिखाई पड़ती है।

इसी कारण जीसे भिख की जरुरत होती है। वह भिख से वन्चित रहता है। वह भिखारी अपनी फटी झोली को लोगो के सामने दिनता से दिखाकर भिख मांगता नजर आता है।

(अधिकार प्रदाता स्वायत्त) ...लापूर

9